कृत्रिम गर्भाधान के लाभ

By Kisan Kheti Ganga

जब गाय भैंस गर्मी में होती है, तब साड़ को ढूंढ़ने की जरूरत नहीं पड़ती। प्रशिक्षित कृत्रिम वीर्यदानकर्ता (इनसेमिनेटर) उन्नत साड़ के उच्च गुणवत्तायुक्त वीर्य से पशु को गर्भित कर देता है।

- कृत्रिम गर्भाधान द्वारा एक साड़ से अनेक पशुओं को गर्भित कराया जा सकता है। अत उन्नत सांडो का चयन संभव हो पाता है पशुओं की नस्ल में तेजी से सुधार होता है।
- कृत्रिम गर्भाधान से प्रजनन संबंधी गर्भाधान हेतु डॉट को निकालना बीमारियों को फैलने से रोका जा सकता है।
- कृत्रिम गर्भाधान कराते समय जननांगो की बीमारियों का भी पता लग जाता है।
- यह तकनीक सस्ती भी है।

सुझाव

- पशु को कृत्रिम गर्भाधान कराने के 21 दिन बाद गर्मी के लक्षणों का पुन निरीक्षण करना चाहिये।
- कृत्रिम गर्भाधान कराने के 90 दिन बाद गर्भ परीक्षण भी करवाना चाहिये।
- तीन बार गर्भाधान कराने के बाद भी यदि गर्भ नहीं ठहरता है तो पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिये।

उन्नत नस्ल के वीर्य से पशु को गाभिन कराएं अच्छी उत्पादकता वाली संतति पायें।